कहीं से भी और कभी भी जानें:
कौन सा उपकरण खा रहा कितनी बिजली

- रियल टाइम आधार पर काम करेगा यह सिस्टम

नई दिल्लीः 16 सितंबर, 2014। बीएसईएस उपभोक्ता अब कहीं से भी और कभी भी, अपने घर व दफ्तर के बिजली उपकरणों पर नजर रख सकते हैं। वे यह पता कर सकते हैं कि इस वक्त उनके यहां कितनी बिजली की खपत हो रही है, और कौन–सा उपकरण कितनी बिजली गटक रहा है। यही नहीं, यदि अचानक से उपभोक्ता के घर/ दफ्तर में बिजली की खपत बढ़ जाती है, तो तुरंत उन्हें मैसेज भी मिल जाएगा कि इस वक्त आपके यहां बिजली की ज्यादा खपत हो रही है।

इंटरनेट आधारित इस अनोखी सेवा का इंडिया हैबिटेट सेंटर में बीएसईएस द्वारा आयोजित पावर कॉन्क्लेव में लोकापर्ण किया गया। इस सेवा को प्रमोट कर रही है, मेसर्स इकोलिब्रियम एनर्जी। इस पावर कॉन्क्लेव का संचालन मेसर्स एनर्जीऑमिक्स ने किया।

इस मौके पर बिजली सेक्टर से जुड़े कई लोगों ने नई तकनीक और उसके फायदों के बारे में अपने विचार रखे। वक्ताओं में प्रमुख थे, सीईए के चीफ इंजीनियर श्री आर के वर्मा, जीईआरएमआई के प्रिंसिपल रिसर्च साइंटिस्ट डॉ ओंकार जैन, इकोलिब्रियम के एमडी श्री चिंतन सोनी, हर्षा अबाकस के एमडी श्री मुंजाल रंगवाला, ईईएसएल के एमडी श्री सौरभ कुमार, बीएसईएस के डायरेक्टर श्री गोपाल सक्सेना, बीआरपीएल के सीईओ श्री आरविन्द गुजराल, बीवाईपीएल के सीईओ श्री पी आर कुमार, और बीआरपीएल ईएमजी के वीपी श्री राजेश बंसल।

दरअसल, इस पूरे सिस्टम को मीटर की तरह दिखने वाला एक खास तरह का उपकरण, और एक इंटरनेट सर्वर मिलकर संचालित करते हैं। इसके तहत, उपभोक्ता के यहां बिजली मीटर के पास यह उपकरण लगाया जाएगा, जो वहां से डेटा लेकर, उसका अध्ययन करेगा और फिर उसका विश्लेषण, इंटरनेट सर्वर पर भेजेगा। हर पल ये सूचनाएं सर्वर को मिलती रहेंगी। मेसर्स इकोलिब्रियम एनर्जी की वेबसाइट पर जाकर उपभोक्ता कहीं से भी और किसी भी वक्त अपने घर/ दफ्तर के बिजली उपकरणों द्वारा की जा रही बिजली की खपत को जान सकेगा।

यह एक ऐसा सिस्टम है, जो उपभोक्ताओं को उनके घर/ दफ्तर में किसी भी वक्त हो रही बिजली की खपत के बारे में तो आपको बताएगा ही, साथ ही बिजली संबंधी कई तरह के खतरों के बारे में भी उन्हें आगाह करेगा। बिजली की अधिक खपत होने पर तुरंत आपको सूचित करेगा, जिससे आप बिजली की बेतहाशा खपत पर अंकुश लगा सकते हैं। इसके अलावा, यह बिजली की खपत को कम करने के तरीके भी सुझाएगा। यह डीजल जेनरेटरों और छत पर लगे सौर सिस्टम को भी मॉनिटर करेगा। यह आपके जैसे अन्य उपभोक्ताओं की बिजली खपत से आपकी बिजली खपत की तुलना करके बताएगा, ताकि आप अपनी बिजली खपत पर नियंत्रण कर पाएं। यह खास उपकरण आपके बिजली बिल में 8 से 20 प्रतिशत तक की कमी लाने में सक्षम है।

हालांकि किसी भी श्रेणी के उपभोक्ता इस उपकरण और सिस्टम से फायदा उठा सकते हैं, लेकिन व्यावसायिक व औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए यह ज्यादा उपयोगी व लाभदायक होगा। जिन उपभोक्ताओं का बिजली लोड 50 किलोवॉट या उससे अधिक है, उनके लिए यह सिस्टम ज्यादा कारगर होगा।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक– भारत में प्रतिवर्ष बिजली की मांग में 6 से 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। ईंधन की कीमतों में भी वृद्धि हो रही है, जिस वजह से बिजली की कीमतें बढ़ रही हैं। अत्याधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से उपभोक्ता न सिर्फ अपनी बिजली की खपत में कमी ला सकते हैं, बल्कि अपना बिजली बिल भी घटा सकते हैं।

पावर कॉन्क्लेव का आयोजन मेसर्स ईकोलिब्रियम, मेसर्स जर्मी और मेसर्स हर्षा अबाकस सोलर के साथ मिलकर किया गया। ये संस्थान डिमांड साइट मैनेजमेंट तकनीक में अग्रणी हैं। पावर कॉन्क्लेव के दौरान विशेषज्ञों ने बिजली में तकनीक के बेहतर उपयोग और उसके फायदों के बारे में बताया। कॉन्क्लेव में अन्य लोगों के अलावा, बीएसईएस के डायरेक्टर श्री गोपाल सक्सेना, बीआरपीएल के सीईओ श्री अरविंद गुजराल, बीवाईपीएल के सीईओ श्री पी आर कुमार और बीआरपीएल के वीपी ईएमजी श्री राजेश बंसल ने भी अपने विचार रखे।

यह भी घोषणा की गई कि बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं और अक्षय उर्जा उपकरणों के निर्माताओं के बीच पुल का काम करेगी। इससे उपभोक्ता सौर उर्जा उत्पादन के बारे में डीईआरसी के दिशा–निर्देशों से लाभ उठाते हुए अपने बिजली बिल को कम कर सकते हैं ।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

.....